फोन:-4103333, 2362400 फैक्स:-0141-2373513 वर्ष: 76 संख्या: 244 प्रभात जयपुर, गुरूवार 9 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

ARBiT

Smile of Silla: The Ancient Artifact That Inspired...

The familiar ruby-red logo, featuring a playful face, has adorned televisions, refrigerators, microwave ovens, washing machines, and air conditioners for decades. According to LG, its design is inspired by an ancient artifact known as the 'Smile of Silla'

No Foreign Blood Please

Cosmic Symbols and Shared Motifs

पवन खेड़ा को विश्वास है, उन्हें तेलंगाना में अग्रिम जमानत मिल जाएगी

उनके विश्वास का आधार है, तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार होना तथा उनकी पत्नी का तेलंगाना पीसीसी में पदाधिकारी होना

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। कांग्रेस मीडिया अध्यक्ष पवन खेड़ा ने हैदराबाद में अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया है, क्योंकि गंभीर आशंका जताई जा रही है कि असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वास सरमा उन्हें गिरफ्तार कराने की कोशिश कर सकते हैं। मुख्यमंत्री के अनुसार खेड़ा द्वारा मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ लगाये गये आरोप गंभीर प्रकृति के हैं।

- पर, विडंबना यह है कि मेमने की माँ कब तक खैर मनायेगी, क्योंकि असम के मुख्यमंत्री सरमा हाथ धोकर पवन खेड़ा को गिरफ्तार करने की तैयारी में हैं। पवन खेड़ा ने बहुत अनर्गल आरोप लगाये हैं, सरमा की पत्नी पर, उनके पास तीन-तीन पासपोर्ट हैं तथा खाड़ी देशों में अपार सम्पत्ति है, आदि।
- जैसा कि संभावना दिख रही है, असम में भाजपा की सरकार बनेगी तथा सरमा मु.मंत्री, और खेड़ा को गिरफ्तार करने की अपनी प्रबल इच्छा को सरमा थोथा साबित नहीं होने देंगे।
- खेड़ा का गिरफ्तार होना इस बात पर निर्भर होगा कि राहुल गांधी और कांग्रेस उनके समर्थन में कितनी मजबूती से खड़ी होती है। हालांकि, राहुल गांधी पर प्रायः यह आरोप लगता है कि वे अपने समर्थकों को ज्यादा ''बैक'' नहीं करते।

असम और दिल्ली पुलिस उनके निज़ामुद्दीन स्थित घर पर पहुंची थीं, लेकिन वे घर पर नहीं थे। संभव है कि उन्हें जानकारी मिली कि मुख्यमंत्री उन्हें गिरफ्तार कराने की कोशिश कर रहे हैं, जैसा कि खेड़ा और वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं, जिनमें कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे भी शामिल हैं, के खिलाफ प्रयोग की गई उनकी भाषा से संकेत मिलता है। ज्ञातव्य है कि सरमा ने खड़गे के लिये ''पागल'' शब्द प्रयोग किया था।

हिमंता ने आधे घंटे के भीतर घोषणा कर दी कि पवन खेड़ा हैदराबाद में हैं। खेड़ा की पत्नी तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी में पदाधिकारी हैं और तेलंगाना में कांग्रेस सरकार है।

समझा जा रहा है कि खेड़ा तभी दिल्ली लौटेंगे, जब उन्हें अग्रिम जमानत मिल जाएगी, तेलंगाना में अग्रिम जमानत लेना दिल्ली की तुलना में आसान है, क्योंकि दिल्ली में भाजपा सरकार है।

मुख्यमंत्री की पत्नी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए गए हैं, जिनमें उनके पास कई पासपोर्ट होना और विदेश में जमा की गई बड़ी संपत्ति शामिल है।

कल असम में विधानसभा चुनाव होंगे, लेकिन परिणाम एक महीने बाद ही घोषित होंगे।

पवन खेड़ा के लिए असम के मुख्यमंत्री की पकड़ से बाहर रहना चुनौतीपूर्ण है और यह किसी के लिए भी अनुमान करना कठिन है कि क्या स्थिति बनेगी।

ईरान ने होर्मुज़ स्ट्रेट फिर बंद किया

वॉशिंगटन डीसी, 08 अप्रैल। इज़रायल ने बुधवार दोपहर मध्य बेरूत में कई हमले किए। घनी आबादी वाले कई व्यावसायिक और आवासीय क्षेत्रों को बिना पूर्व सूचना के निशाना बनाया गया। हमले ऐसे समय में हुए, जब ईरान के साथ युद्ध विराम की घोषणा हो चुकी थी। लेबनान के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, इन हमलों में 254 लोगों की मौत हुई और 1,165 लोग घायल हुए हैं।

- ईरान ने यह कदम इज़रायल द्वारा लेबनान पर हमला करने के विरोध में उठाया। इस हमले में 254 लोग मारे गए हैं।

उधर, एसोसिएटेड प्रेस ने ईरानी सरकारी मीडिया की रिपोर्ट के हवाले से बताया कि ईरान ने लेबनान पर इज़रायली हमलों के जवाब में होर्मुज़ स्ट्रेट को बंद कर दिया गया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पीबीएस न्यूज आवर को बताया कि लेबनान को समझौते में शामिल नहीं किया गया है, क्योंकि वहां चरमपंथी संगठन हिजबुल्ला मौजूद है। जब उनसे इज़रायल के हालिया हमलों के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा, यह एक अलग झड़प है। इज़रायल ने कहा था कि यह समझौता ईरान समर्थित हिजबुल्ला के साथ उसकी जंग पर लागू नहीं होता। हालांकि, मध्यस्थ पाकिस्तान ने कहा कि यह लागू होता है।

पुरानी संस्कृति व सभ्यता ने ट्रंप को घुटने पे ला दिया

ट्रंप चरमराती ''झूठी-सच्ची'' सीज़फायर पर राज़ी हुए और पुरानी ''टाको छवि'' (ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट) पर खरे उतरे

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। ट्रम्प प्रशासन के ईरान के साथ संघर्षविराम समझौते की ओर आगे बढ़ने के साथ ही अमेरिकन युग का अंत हो गया। इसके एक दिन पहले, अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने धमकी दी थी कि वे ईरान की सभ्यता को मिटा देंगे।

सबसे विडंबनापूर्ण यह है कि ट्रम्प की धमकी के अगले ही दिन, इस पुरानी सभ्यता ने अमेरिका को ''नाज़ुक'' संघर्षविराम के लिए मजबूर कर दिया, जो उन उद्देश्यों की पूर्ति नहीं करता, जिन्हें जानने के लिए बिना सोचे-समझे अचानक युद्ध शुरू किया गया था। अब डॉनल्ड ट्रम्प को शायद ''डॉनल्ड डिफीटेड'' कहा जा सकता है।

स्पष्ट है कि कूटनीति अमेरिका की ताकत नहीं रही, और ईरान के मामले में भी ऐसा ही हुआ। एक बार फिर, डॉनल्ड ट्रम्प ने टीएसीओ (टाको) अर्थात ''ट्रंप ऑलवेज़ चिकन्स आउट'' के रूप में अपनी छवि को यथावत बनाए रखा, जैसा कि अधिकांश अमेरिकी प्रेस अब संकेत दे रहा है। सबसे बुरी बात यह है कि ट्रम्प ने खुद को सबसे अधिक नुकसान पहुँचाया।

- सीज़फायर के बाद, ईरान को ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़'' पर आवागमन नियंत्रित करने का पूर्ण अधिकार मिला। यह अधिकार उसको युद्ध के पहले प्राप्त नहीं था। ट्रंप ने यह अधिकार ईरान को थाली में परोस कर दिया। हर जहाज, जो ''स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़'' का उपयोग करेगा, उसे अब ईरान को 2 मिलियन डॉलर प्रति जहाज की दर से शुल्क देना होगा।
- ईरान ने यह भी शर्त ''मनवा ली'' ली है कि उससे संरक्षण प्राप्त संगठन जैसे लेबनान में हिज़बोला तथा यमन में हुती पर ट्रंप व उसके साथी आक्रमण कर क्षति नहीं पहुँचायेंगे।
- युद्ध का अमेरिका दृष्टि से एक ध्येय था कि ईरान में सत्ता परिवर्तन होगा, पर, कई प्रथम पंक्ति के नेताओं को बमबारी से खत्म करने के बाद भी ईरान की पुरानी व्यवस्था सत्ता में है तथा उसके खिलाफ थोड़े-बहुत असंतोष की लहर भी युद्ध के समय समाप्त हो गई और सत्ता व व्यवस्था के साथ जनता है, पुराने शिकवे, शिकायतें भुलाकर।

कल की घोषणा के बाद, कुछ उच्च पदस्थ अमेरिकी नेताओं ने संविधान के 25वें संशोधन को लागू करने की अपील की, ताकि उपराष्ट्रपति राष्ट्रपति को मानसिक रूप से अस्थिर घोषित कर उन्हें पद से हटाएं। इससे पहले सार्वजनिक रूप से इस तरह की चर्चा

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मोजतबा क़ोम में है, इलाज करवा रहा है

टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मोजतबा गंभीर रूप से घायल है और क़ोम शहर में इलाज करवा रहा है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रैल। गल्फ में चल रहे युद्ध में दो हफ्तों के संघर्षविराम के बीच, ईरान के नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामनेई के स्वास्थ्य और खोज खबर को लेकर सवाल फिर से उठ रहे हैं।

- संघर्ष विराम की खबरों के बीच मोजतबा के स्वास्थ्य व खैर खबर को लेकर अटकलों का बाज़ार गर्म है।
- तेहरान का समीपवर्ती शहर क़ोम धार्मिक रूप से महत्वपूर्ण माना जाता है, यही पर अयातुल्ला खामनेई और उनके परिवार को दफनाने की तैयारी किए जाने की खबरें मिली रही हैं।

द टाइम्स द्वारा उद्धृत एक कूटनीतिक रिपोर्ट के अनुसार, 56 वर्षीय धार्मिक नेता वर्तमान में पवित्र शहर क़ोम में गंभीर स्थिति में चिकित्सा देखरेख में हैं। क़ोम तेहरान से लगभग 140 किलोमीटर दक्षिण में स्थित है।

पहले की रिपोर्टों में कहा गया था कि मोजतबा को अमेरिका और इज़रायल के बमबारी हमलों में गंभीर चोटें आई थीं, उसी हमले में उनके पिता अली खामनेई की मौत हुई थी। तब रिपोर्टों में यह भी कहा गया था कि उन्हें रूस के किसी अनजान स्थान पर चिकित्सा उपचार के लिए एयरलिफ्ट किया गया था। उस समय विरोधाभासी रिपोर्टें सामने आई थीं कि वे गंभीर रूप से घायल हैं, संभवतः कोमा में भी। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रम्प ने भी इस बारे में संकेत दिया था।

द टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार, मोजतबा क़ोम शहर में हैं, जो शिया इस्लाम के लिए गहरा राजनीतिक और धार्मिक महत्व रखता है। कहा जाता है कि क़ोम में वरिष्ठ खामनेई के दफन के लिए तैयारियाँ चल रही हैं। रिपोर्टों के अनुसार, वहां सभी परिवार के सदस्यों के लिए कई कब्रों वाला एक बड़ा मकबरा बनाने की योजना है।

देश के सर्वोच्च नेता के रूप में नियुक्त किए जाने के बाद मोजतबा ने सार्वजनिक रूप से कोई उपस्थिति नहीं दिखाई है, हालांकि ईरानी राज्य मीडिया ने उनके नाम से बयान प्रसारित किए हैं। लेकिन नेता का कोई सत्यापित ऑडियो या वीडियो जारी नहीं किया गया है। तेहरान ने स्वीकार किया है कि उन्हें उन हवाई हमलों में चोट लगी थी, जिनमें उनके परिवार के कई सदस्य, जिनमें उनकी पत्नी और बेटा भी शामिल थे,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जयपुर मैट्रो फेज-2 को केन्द्र सरकार की मंजूरी मिली

जयपुर, 8 अप्रेल। केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने 13 हजार 37 करोड़ रु. के जयपुर मेट्रो फेज-2 को मंजूरी दे दी। केन्द्र ने पचपदरा रिफायनरी की संशोधित लागत को भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इन दो महत्वपूर्ण निर्णयों के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया।

जयपुर मेट्रो फेज-2 के तहत प्रहलादपुरा से टोडी मोड़ तक 41 किलोमीटर लंबा उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर विकसित किया जायेगा। यह कॉरिडोर सीतापुरा इंडस्ट्रियल एरिया से विश्वकर्मा इंडस्ट्रियल एरिया तक औद्योगिक व आवासीय क्षेत्रों को जोड़ेगा।

- मुख्यमंत्री ने मैट्रो व पचपदरा रिफायनरी की संशोधित लागत की मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त किया।

पचपदरा रिफाइनरी के लिये 79 हजार 459 करोड़ रुपए की संशोधित लागत को मंजूरी दी गई है। यह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

तेहरान की जनता को लगता है सीज़फायर ज्यादा दिन नहीं चल पाएगा

सीज़फायर को लेकर खुशी भी है, पर, आंशकाएं भी बहुत हैं

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। संघर्षविराम के बाद तेहरान में जनता की भावना में राहत, संदेह और गहरी चिंता का मिलाजुला नाज़ुक मेल दिखाई देता है। यह मूड न केवल युद्ध की थकान से उपजा है बल्कि राजनीतिक आश्वासनों पर अविश्वास से भी प्रभावित है।

- असल में ईरान की जनता को नेताओं के आश्वासनों पर लेशमात्र भी भरोसा नहीं है। हालांकि वे दो सप्ताह के युद्धविराम के बाद घर लौट रहे हैं। पर, मन में भय है कि फिर से सामान बाँधकर जाना पड़ सकता है।
- अगर यह कहा जाए कि लोग फिर से युद्ध शुरु होने का इतंजार कर रहे हैं, और इसी से उनके रोजमर्रा के निर्णय प्रभावित हो रहे हैं तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। लेकिन नागरिकों में स्पष्ट रूप से यह धारणा जोर पकड़ रही है कि कूटनीति से ही दीर्घकालिक समाधान मिल सकता है।

विशेष रूप से जो लोग विस्थापन या अन्य व्यवधान के बाद घर लौट रहे हैं, वे इस संघर्ष विराम के प्रति आशावादी तो हैं साथ ही बेहद सतर्क भी हैं। कई लोगों के लिए तुरंत महसूस होने वाली राहत स्पष्ट है जैसे बाज़ार खुल रहे हैं, यातायात लौट रहा है, और सामान्य जीवन की झलक फिर से उभर रही है। तेहरान के एक निवासी ने अनिश्चितता के दिनों के बाद घर लौटने के अनुभव को ''स्वर्ग के समान'' बताया, जो सामान्य जीवन की बहाली के भावनात्मक महत्व को दर्शाता है।

फिर भी, इस आशावाद के साथ लोगों को यह भी यकीन है कि संघर्षविराम अस्थायी हो सकता है। तेहरान के एक युवा छात्र ने इस चिंता को सीधे शब्दों में कहा: ''मुझे नहीं पता कि संघर्षविराम टिकेगा या नहीं... मैं फिर से अपने सामान पैक करके घर छोड़ना नहीं चाहता।''

इसी तरह, रोजमर्रा की जिंदगी,बाज़ार और मोहल्ले की गलियों, की आवाज़ें भी पूर्व अनुभवों पर आधारित संदेह को दर्शाती हैं। राजधानी के एक बुज़ुर्ग दुकानदार ने कहा, मुझे नहीं लगता कि यह टिकाऊ है... हम संघर्षविराम चाहते हैं, लेकिन वे अपने वादे नहीं निभाते।''

यह अविश्वास तब और मजबूत होता है, जब कथित उल्लंघनों और तनाव जारी रहने की रिपोर्ट सामने आती है, जिससे कुछ निवासी इसे शांति के बजाय केवल एक विराम मानते हैं। एक स्थानीय भावना में कहा गया: ''यह शांति नहीं है, यह सिर्फ एक विराम है'', जो यह दर्शाता है कि संघर्ष किसी भी समय फिर से शुरू हो सकता है।

संदेह के अलावा, अंदर ही अंदर भय और थकावट की मजबूत लहर भी है। ईरान के कई लोग तबाही और आर्थिक कठिनाइयों के पैमाने से मानसिक रूप से भयभीत हैं। साक्षात्कार बताते हैं कि यहां तक कि जो लोग शासन की आलोचना करते हैं, वे आगे की अस्थिरता से सावधान हैं। एक निवासी ने कहा कि लोग मूलतः ''युद्ध के फिर से शुरू होने का इंतजार'' कर रहे हैं, और यही बात उनके दैनिक निर्णयों और व्यवहार को प्रभावित करती है।

साथ ही, नागरिकों में यह स्पष्ट मान्यता है कि कूटनीति ही दीर्घकालिक समाधान का एकमात्र व्यवहार्य रास्ता है, जबकि सार्वजनिक अभिव्यक्तियाँ अक्सर राजनीतिक संवेदनशीलता के कारण सतर्क रहती हैं। मीडिया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पाक के आग्रह पर हुआ संधि विराम

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। ईरान के साथ युद्ध को दो हफ्तों के लिए रोक दिया गया है, क्योंकि अमेरिका और ईरान दोनों ने उस संघर्ष को रोकने और संवाद के माध्यम से समाधान निकालने के लिए

- ट्रंप और ईरान के विदेश मंत्री अराघची दोनों ने ही सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट में कहा, उन्होंने बातचीत करने के पाकिस्तान के प्र.मंत्री शाहबाज शरीफ व जनरल आसिम मूनीर का आग्रह स्वीकार कर लिया है।

आम सहमति जताई है, जिसने विश्व को गंभीर रुप से प्रभावित किया है।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने संघर्षविराम को स्वीकार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'दो हाथियों की लडाई में पिस रहे बच्चे और अभिभावक'

श्याम नगर में ट्री हाऊस हाई स्कूल ने फीस वसूलकर रातोंरात बंद किया स्कूल

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 8 अप्रेल। राजधानी जयपुर के श्याम नगर इलाके में ''ट्री हाउस हाई स्कूल'' के संचालकों ने बीच सत्र में फीस वसूली और अभिभावकों व बच्चों को जानकारी दिए बिना स्कूल बंद कर दिया। दरअसल विद्या भारती समिति द्वारा जिस बिल्डिंग में स्कूल संचालित किया जा रहा है, वह बिल्डिंग अरिहंत एंटरप्राइजेज़ के मालिक विनय चौरडिया से 10.67 लाख रु. प्रतिमाह किराये पर ली गई थी। इसकी लीज़ वर्ष 2031 तक थी, परंतु पिछले 4 वर्षों से स्कूल संचालक राजेश भाटिया किराया नहीं चुका पा रहा था, ऐसे में दोनों पक्षों के बीच बकाया 4.21 करोड़ रुपए को लेकर भारी विवाद हो गया। इन दो हाथियों की लडाई में अब स्कूली बच्चे और अभिभावक पिस रहे हैं। इस संबंध में अभिभावकों ने श्याम नगर थाने में स्कूल संचालकों के खिलाफ एफ.आई.आर. दर्ज करवाने के लिए शिकायत भी दी है।

- स्कूल बंद करने की जानकारी ना तो अभिभावकों को दी गई और ना ही शिक्षा विभाग व सी.बी.एस.ई. को।
- स्कूल संचालक राजेश भाटिया पर बिल्डिंग मालिक विनय चौरडिया का 4.21 करोड़ रुपए किराया बाकी था।

इसी बीच 1 अप्रैल से शुरू हो चुके शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए करीब 180 विद्यार्थियों से फीस वसूलने के बाद, अब ''ट्री हाउस हाई स्कूल'' के संचालक गुपचुप ही स्कूल बंद करने का फैसला लेकर फरार हो गए, लेकिन उन्होंने ना तो किसी अभिभावक, ना शिक्षा विभाग और ना ही सी.बी.एस.ई. को कोई जानकारी दी। यहां तक कि पिछले 2 दिनों से अभिभावकों से भी तरह-तरह के बहाने बनाकर स्कूल संचालन नहीं होने की टालमटोली की जा रही थी। बुधवार को अचानक स्कूल बंद किए जाने की सूचना पर जब 50-60 अभिभावक स्कूल पहुंचे तो उन्हें प्रिंसिपल द्वारा गुरूवार से नियमित कक्षाएं संचालित करने की बात कहकर टाल दिया गया। इस पर अभिभावकों ने इसकी लिखित में गारंटी देने की मांग रखी, जिस पर स्कूल प्रबंधन बैकफुट आ गया।

इसी बीच कुछ अभिभावकों से स्कूल बिल्डिंग के मालिक विनय चौरडिया ने बुधवार शाम साढ़े 5 बजे बात की और कह दिया कि, ''ट्री हाउस हाई स्कूल'' के संचालक बकाया 4.21 करोड़ रुपए किराया नहीं चुका पा रहे थे, ऐसे में उन्होंने हमें बिल्डिंग व जमीन का कब्जा सौंप दिया है। किसी भी विद्यार्थी और अभिभावक की फीस की

'ट्री हाउस स्कूल' परिसर में अभिभावकों ने प्रदर्शन किया।

जिम्मेदारी उनकी नहीं है। उन्होंने साफ-साफ कह दिया कि अभिभावक अपने बच्चों को किसी अन्य स्कूल में दाखिला करवा सकते हैं, क्योंकि यहां कोई स्कूल संचालित नहीं होने वाला और इसकी कोई व्यवस्था हम नहीं कर सकते।

दरअसल मंगलवार को ''ट्री हाउस हाई स्कूल'' की ओर से अभिभावकों के फोन पर मैसेज पहुंचा कि स्कूल परिसर में पेयजल की समस्या है, इसलिए आज क्लासें नहीं होंगी। इसके बाद मंगलवार

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सीज़फायर के बाद तेल के दाम गिरे

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 8 अप्रेल। बुधवार को ब्रेंट क्रूड तेजी से 95.068 डॉलर प्रति बैरल (पहले 109.77 डॉलर) तक गिर गया, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड

- तेल के दाम 109.77 डॉलर प्रति बैरल से घट कर 95.008 डॉलर बैरल पहुँच गए।

ट्रम्प ने ईरान पर हमलों में दो हफ्तों का विराम घोषित किया। इसी के साथ, अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी लगभग 20 डॉलर प्रति बैरल गिर गया।

बाजारों ने इस पर मिनटों में प्रतिक्रिया दी – तेल की कीमतें गिरीं, बॉन्ड बढ़े, और अमेरिकी शेयरों में उछाल आया। निवेशक इसे इस बात का संकेत मान रहे हैं कि हफ्तों के व्यवधान के बाद तेल की आपूर्ति सामान्य रूप से बहाल हो सकती है।